पत्रिका

जर्जर सड़कें : अशोक नगर, चांटीडीह, मंगला, कुदुदंड, देवरीखुर्द हर जगह बुरा हाल

शहर व ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें बदहाल, गड्ढों से चलना मुश्किल, हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बिलासपुर. शहर की जर्जर सड़कों से आवागमन मुश्किल हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी स?कों पर गड्ढे ही हैं। अधिकारियों का ध्यान इस तरफ नहीं है, जिससे लोग परेशान हो रहे हैं।

नालियों की सफाई नहीं होने से घरों में गंदा पानी भर रहा है। हाईकोर्ट ने इन सभी समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए निगम से जवाब मांगा है। प्रकरण की अगली सुनवाई 16 जुलाई को रखी गई है। निगम की ओर से उपस्थित एडवोकेट ने कहा कि सड़कों की मरम्मत और सुधार कार्य जारी है। नालियों की सफाई भी बरसात से पहले की गई है। कोर्ट ने इसके बाद भी समस्या और शहर की बदहाली पर सवाल उठाते हुए शपथ पत्र में स्थिति स्पष्ट करने कहा है।

शहर की लगभग सभी सड़कें पहली बारिश में ही खस्ताहाल हो गई हैं। इनमें मंगला, कुदुदण्ड, देवरीखुर्द, लिंकरोड, तारबाहर से शिव टाकीज चौक, उसलापुर स्मार्ट रोड सहित कई जगह यही स्थिति है। बारिश का पानी गड्ढों में भरने से हर दिन कोई न कोई गिरकर घायल हो रहा है। हालांकि नगर निगम ने दावा किया कि बरसात से पहले उसने अपने हिस्से की 20 सड़कों की मरम्मत करा दी थी। पीडब्ल्यूडी की सड़कों की मरम्मत बाकी है।

लिंक रोड, शिव टॉकीज, मध्यनगरी में जर्जर सड़कें

शहर के व्यस्ततम मार्गों में से एक लिंक रोड में कई जगहों पर गड्ढे हैं। सीएमडी कॉलेज, लवली ड्रेसेस के पास, पीजीबीटी कॉलेज से शिव टॉकीज चौक के पास गड्ढे खतरनाक हैं। दयालबंद, अशोक नगर, बिरकोना, खमतराई, डीएलएस कॉलेज रोड, चांटीडीह सब्जी मंडी, मध्यनगरी चौक, सरकंडा की सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढों की भरमार है। इन सड़कों की रिपेयरिंग पिछले वर्ष ही कराई गई थी। कांग्रेस भवन के पीछे से महंती स्कूल रोड पर कुछ स्थानों पर कराए गए पैच वर्क उखड़ गए हैं।

आठों जोन में सड़कों की हालत खराब

शहर में निगम के आठों जोन में पीडब्ल्यूडी की 29 सड़कें हैं। इन सड़कों की लंबाई 77.53 किमी है, वहीं निगम की 70 वार्डों में 150 सड़कें हैं, जिसकी लंबाई 51 किमी है। इसमें 20 से अधिक सड़कों पर जानलेवा गड्ढे हैं। इन सड़कों को ठीक करने के लिए कई बार मंत्री स्तर तक से भी निर्देशित किया गया लेकिन कुछ नहीं हुआ। हालांकि निगम का कहना है कि बारिश के पहले टिकरापारा, धान मंडी रोड, नेहरू नगर, बृहस्पति बाजार में सड़कों की मरम्मत एक करोड़ 20 लाख में कराई गई है।

लापरवाही : रोजाना 40 हजार से ज्यादा लोग गुजरते हैं इधर से

अपोलो रोड पर सैकड़ों गड्ढे, पानी भरने से स्कूली राहगीर परेशान, हर पल दुर्घटनाओं की आशंका

शहर की अपोलो रोड आज लोगों के लिए दर्द और खतरे की वजह बन चुकी है। चौड़ीकरण के नाम पर सैकड़ों गरीबों के आशियाने उजाड़ दिए गए, लेकिन सड़क आज भी अधूरी और जर्जर हालत में पड़ी है। हर रोज यहां से करीब 40 हजार से ज्यादा लोग गुजरते हैं, जिनमें मरीज, स्कूली बच्चे, दोपहिया और चारपहिया वाहन चालक शामिल हैं। खराब सड़क के कारण यहां आए दिन हादसे हो रहे हैं। एक दिन पहले ही एक ई-रिक्शा जर्जर सड़क के कारण पलट गया। चालक का नियंत्रण बिगड़ा और हादसा हो गया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। यह पहला मौका नहीं है। ऐसी घटनाएं रोजमर्रा की बात हो गई हैं। अपोलो हॉस्पिटल जैसी अहम संस्था तक पहुंचना भी अब मरीजों के लिए जंग जीतने जैसा हो गया है। गड्ढों और उबड़-खाबड़ रास्तों के कारण एम्बुलेंस हिचकोले खा रही हैं और गंभीर मरीजों को झटकों से गुजरना पड़ रहा है।

गड्ढों से कमर दर्द और रीढ़ की तकलीफ आम

स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार झटकों और खराब रास्तों के कारण कमर दर्द, रीढ़ की समस्या, सिरदर्द जैसी तकलीफें आम होती जा रही हैं। अपोलो रोड का निर्माण जल्द हो।

गड्ढों को भरने जोन आयुक्तों को लिखा पत्र

नगर निगम के सभापति विनोद सोनी ने जोन क्रमांक 1 से 8 तक के सभी जोन आयुक्तों को पत्र जारी कर मुख्य सड़कों और गलियों में बने गड्ढों को एक सप्ताह के भीतर भरने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि बारिश के कारण गड्ढों में पानी भर गया है, जिससे वाहन चालकों को खतरा बढ़ गया है। सभापति ने इसे जनहित से जुड़ा मामला बताते हुए तत्काल सर्वे कराकर कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा है।